प्रेस विज्ञप्ति दि० 6/5/2026

परिसीमन, पलायन एवं आरक्षण के मुद्दो पर केन्द्रित समानता पार्टी की बैठक सम्पन्न।

देहरादून 6 मई उत्तराखण्ड समानता पार्टी की बैठक रिंग रोड स्थित नत्थनपुर के एक बारात-घर मे राष्ट्रीय अध्यक्ष डा० बी० के० बहुगुणा की अध्यक्षता एवं राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव इं० एल० पी० रतूड़ी के संचालन मे सम्पन्न हुई। बैठक मे मुख्य रूप से उत्तराखण्ड राज्य के पर्वतीय जनपदो से बढ़ते पलायन से खाली होते गाँव, जातिगत आधार पर बढ़ते आरक्षण एवं भविष्य मे होने वाले परिसीमन मे पर्वतीय क्षेत्रो मे सीटो के कम होने पर केन्द्रित रही। कहा गया कि राज्य गठन के बाद उत्तराखण्ड के पर्वतीय जनपदो से बढ़ते पलायन का कारण असन्तुलित कागजी विकास, चिकित्सा सुविधाओं का अभाव एवं जंगली जानवरो के बढ़ते आतंक का ठोस निराकरण न होने से पर्वतीय क्षेत्रो मे मानव पलायन बढ़ता जा रहा है। यदि भविष्य मे जनसंख्या आधारित परिसीमन हुआ तो पर्वतीय क्षेत्रो की विधानसभा सीटो मे कटौती तय है। मांग की गई कि पर्वतीय जनपदो मे परिसीमन का आधार क्षेत्रफल बनाया जाय। ताकि पर्वतीय राज्य की गठन की अवधारणा को पुष्ट करेगा। मांग की गई कि जनपद स्तरीय सरकारी सेवा के पदो मे पूर्व की भांति रोजगार कार्यालयो मे पंजीकरण के आधार पर चयन समितियो के माध्यम से नियुक्तियाँ की जाय जिससे स्थानीय युवाओ को अधिक रोजगार अवसर मिलेंगे।

क्रमश. 2

कहाँ गया कि पर्वतीय क्षेत्रो को ओ०बी०सी० का दर्जा दिया जाय। क्योंकि वहाँ की परिस्थितियां खानपान रहनसहन पिछड़ा क्षेत्र घोषित किये जाने के अनुकूल है। बैठक मे ए०जी०सी० के नये प्राविधानो पर कड़ा इतराज करतेहुये इन प्राविधानो को प्राकृतिक न्याय के खिलाफ बताया गया तथा पूरे देश मे ए०जी०सी० के नये प्राविधानो के विरुद्ध मे परिवर्तन किये जाने के जारी संघर्षों मे पार्टी पूर्ण सहभागिता निभायेगी। अनुसूचित जाति / जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम मे वर्ष 2015 मे किये गये संशोधन मे केवल शिकायत के आधार पर गिरफ्तारी को माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रोक लगाये जाने के निर्देशो के बावजूद सरकार द्वारा केवल शिकायत पर गिरफ्तारी के प्राविधान का कड़ा विरोध जताया तथा इसमे संशोधन की मांग की है।

आगामी विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत पार्टी की प्रभावी रणनीति तैयार किये जाने पर चर्चा हुई। इसके लिये आर्थिक संसाधनो एवं जनसम्पर्क पर जोर दिया गया। राज्य मे बढ़ती पुलिस द्वारा नागरिक उत्पीड़न की घटनाओ पर रोक लगाये जाने की मांग मुख्यमन्त्री से की गई।

बैठक मे उपस्थित होकर कई लोगो के द्वारा विधिवत पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर पार्टी की विचारधारा को जन जन तक पहुचाने का आश्वासन दिया गया।

सदस्यता ग्रहण करने वालो मे न्यू बैंक आफ इण्डिया के सेवानिवृत अधिकारी विवेकानन्द थपलियाल उ०प्र० पुलिस के सेवानिवृत अधिकारी अचलानन्द चन्दोला, मध्य प्रदेश के पुलिस के सेवानिवृत निरीक्षक गीताम्बर सिंह रमोला, पूर्व कर्मचारी नेता हरीश चन्द्र डबराल, श्री विशालमणी भट्ट (पूर्व अनुभाग अधिकारी सचिवालय) एवं संजयसिंह बिष्ट शामिल थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष डा० वी० के० बहुगुणा ने पार्टी मे सम्मलित होने वाले सभी जनो का स्वागत करते हुये, अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया। बैठक मे पार्टी के प्रमुख सलाहकार इ० वी०पी० नौटियाल ने नव सम्मलित सदस्यो को पार्टी की नीतियो एवं पार्टी गठन के कारणो से अवगत कराया। मीडिया प्रभारी वी० के० धस्माना, राष्ट्रीय संगठन सचिव श्रीधर प्रसाद नैथानी, प्रमुख महासचिव पी० एस० नेगी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सी० एस० नेगी कार्यकारी अध्यक्ष बी०एस० भण्डारी, लोकेन्द्र प्रसाद नौटियाल, उमा डोभाल, जी०एस० रमोला आदि ने बैठक मे अपने विचार रखे। इस अवसर पर मूलनिवास भू कानून समिति से जुड़े मोहित डिमरी, प्रांजल नौटियाल एवं पंकज उनियाल भी बैठक मे सम्मलित रहे।

(वी० के० धस्माना)
मीडिया प्रभारी
उत्तराखण्ड सनातन पार्टी